7 April 2021

Page:
Date: / /

c.w.

पाठ - 1
नदी का रास्ता शब्द अर्थ

1- उन्मुक्त -> खुला, बंधनरहित

2- स्वच्छंद -> अपने मनमाने ढंग से

3- प्रपात -> झरना

4. कंदरा -> गुफा

5. संपन्नता -> भरा-पूरा होना, समृद्धि

6. अनुरूप -> समान, सदृश्य

Scanned by TapScanner

te
अप्रैल 2021

Date: / /

कविता - 1
नदी का रास्ता

प्र 2 मौखिक अभिव्यक्ति

(क) नदी के विषय में हम कौन-सा प्रश्न पूछते आए हैं?

उ० नदी के विषय में हम यह पूछते आए हैं कि नदी को रास्ता किसने दिखाया।

(ख) नदी को रास्ता दिखाने के बारे में धरती का क्या दावा है?

उ० नदी को रास्ता दिखाने के बारे में धरती का यह दावा है कि ~~अ~~ उसने ही नदी का रास्ता बनाया है। शिलाओं को रास्ता में ला दिया, जिसकी वजह से नदी कभी दाएँ और बाएँ मुड़, स्र थामता बदलती है।

3. भाव स्पष्टीकरण -

क एक - - - - करती।

भावार्थ → नदी जब ~~बहती~~ बहती है तो वह एक किनारे से बहती हुई छोर पर जाती है और फिर आगे की ओर बढ़ती रहती है।

Page:
Date: / /

(ख) ले गई - - - - - सागर तक

भावार्थ → धरती के अनुसार नदी बहुत सीधी है। उसे लगता है कि वह अपना रास्ता स्वंय बनाती है। लेकिन ऐसा नहीं है, सागर तक नदी को ले जाने का कार्य भूमि के द्वारा पूरा होता है।

(ग) मार्ग - - - - - - - - - - - - - बनाया था।

भावार्थ → नदी का यह कहना है कि जब वह पहाड़ों से निकलकर मैदानों की ओर जाती है तो वह-अपना पथ स्वंय बनाती है।